an>

Title: Regarding problems faced by farmers.

श्री संतोख सिंह चौधरी (जालंधर) : अध्यक्षा जी, मैं आपका ध्यान बहुत ही महत्वपूर्ण विÂाय की ओर ले जाना चाहता हूं। भारत एक कृÂि प्रधान देश है और मैं पंजाब प्रांत से आता हूं, जहां 70 फीसदी लोग कृÂि पर निर्भर हैं। पिछले महीने बहुत भारी बारिश और ओले पड़े थे, जिसकी वजह से किसानों की फसल को बहुत भारी नुकसान हुआ था। लेकिन एक बड़ी चिन्ताजनक स्थिति यह उत्पन्न हो गयी है कि मण्डियों में किसानों ने जब अपनी फसल लानी शुरू की तो पंजाब की मण्डियों में लाखों किसान अपनी फसल को लेकर बैठे हैं, लेकिन उनकी परचेज नहीं की जा रही है। जो थोड़ी-बहुत परचेज हुई भी है तो लाखों की तादाद में बोरियां लिफ्ट नहीं हो रही है। 10.88 परसेंट की कट लगा कर फसल की खरीद हो रही है। एक बड़ा भारी कंफ्युज़न प्रांतीय सरकार और केन्द्रीय सरकार में चल रहा है। एफसीआई के साथ एक टसल चल रही है, जिसके कारण फसल को लिफ्ट नहीं किया जा रहा है। एक बहुत ही चिंताजनक स्थिति पैदा हो गई है और पंजाब का किसान सड़कों पर आ गया है। कल सारे किसानों ने रेल पटरियों पर बैठकर रेल यात्राएं ठप की हैं।

अतः मेरा भारत सरकार से अनुरोध है कि फौरी तौर पर इस तरफ ध्यान दिया जाए और किसानों की फसल उठाई जाए तथा उसका जायज मूल्य दिया जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री भगवंत मान को श्री संतोख सिंह चौधरी द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।